राजस्थान में हिन्दी में टेलीफोन निर्देशिका

4596. श्री मीठा लाल मीना :

श्री ओंकार लाल बेरवा :

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजस्थान में टेलीफोन रखने वाले लोगों द्वारा की गई मांग को ध्यान में रखते हुए हिन्दी में टेलीफोन निर्देशिका छापने के लिये एक योजना बनाई गई थी;

(ख) यदि हां, तो उसके कब तक छप जाने की संभावना है;

(ग) उस पर कितना धन व्यय होने की संभावना है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

संसद्-कार्य तथा संचार विभाग में राज्य मंत्री (श्री इ० कु० गुजराल): (क) राजस्थान सर्कल की टेलीफोन निर्देशिका हिन्दी में निकालने की योजना डाक-तार विभाग की ओर से ही बनाई गई थी।

(ख) निर्देशिका की छपाई का काम हो रहा है और इसके जून, 1968 तक निकल जाने की आशा है।

(ग) लगभग 21,000 रुपये।

(घ) प्रश्न ही नहीं उठता।

राजस्थान में चावल मिल

4597. श्री मीठा लाल मीना : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि धान की अच्छी फसल होने के कारण पंजाब और उत्तर प्रदेश में इसका भारी स्टाक जमा हो गया है जबकि राजस्थान में धान की कमी के कारण चावल मिल बन्द हो रही हैं; और

(ख) यदि हां, तो इस मामले में क्या कार्यवाही की गई है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे) : (क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता।

राजस्थान में खाद्यान्नों की कीमतों में गिरावट

4598. श्री मीठा लाल मीना : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राजस्थान में सभी किस्मों के खाद्यान्नों की कीमतें गिर गई हैं और खाद्यान्न का भारी स्टाक जमा हो जाने के कारण खाद्यान्न खराब हो जाने की संभावना है;

(ख) क्या इस स्थिति को सुधारने के उपाय करने का सरकार का विचार है; और

(ग) यदि हां, तो इसके लिये क्या उपाय करने का विचार है?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे) : (क) सितम्बर, 1967 से खाद्यान्नों के मूल्यों में गिरावट की प्रवृत्ति आयी है। तथापि, खाद्यान्नों के खराब होने की कोई संभावना नहीं है।

(ख) और (ग) : प्रश्न ही नहीं उठते।

भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् द्वारा प्रकाशित पुस्तकें

4599. श्री ओंकार लाल बोहरा : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा गत दो वर्षों में हिन्दी और अंग्रेजी में कितनी पुस्तकें प्रकाशित की गई थी;

(ख) क्या अंग्रेजी में प्रकाशित होने वाली सभी पुस्तकों, पुस्तिकाओं प्रतिवेदनों और पत्रिकाओं के हिन्दी संस्करण भी प्रकाशित किये गये थे और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) अंग्रेजी प्रकाशनों से कितने प्रतिशत किसानों को लाभ पहुंच रहा है?

खाद्य, कृषि सामुदायिक विकास तथा सहकार मन्त्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे)) : (क) 169 प्रकाशन (128 अंग्रेजी में और 41 हिन्दी में)।

(ख) अंग्रेजी में प्रकाशित होने वाली पुस्तकों, पुस्तिकाओं और प्रतिवेदनों आदि के हिन्दी रूपान्तर परिषद् द्वारा प्रकाशित किए जा रहे हैं। इस प्रयोजन के लिए बुनियादी, वैज्ञानिक तथा व्यावहारिक महत्व के प्रकाशनों का चयन किया जाता है। "इंडियन फार्मिंग" (अंग्रेजी मासिक) की भांति हिन्दी पत्रिका "खेती" भी हर महीने प्रकाशित की जाती है।

(ग) दो लोकप्रिय पत्रिकाओं "इंडियन फार्मिंग" तथा "खेती" को छोड़कर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के प्रकाशन मुख्यतया अनुसंधान कर्त्ताओं, कालिज के विद्यार्थियों तथा प्रगतिशील किसानों और वैज्ञानिक कृषि में दिलचस्पी रखने वालों के प्रयोग के लिए हैं। इस समय यह अनुमान लगाना संभव नहीं है कि अंग्रेजी प्रकाशनों से कितने किसानों को लाभ पहुंच रहा है।

REGIONAL P & T ADVISORY COMMITTEE

4600. SHRI A. DIPA:

SHRI R. R. SINGH DEO:

Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether any representation has been made by Titlagarh Merchants' Association regarding keeping one member of Merchants' Association in the Regional P and T Advisory Committee; and

(b) if so, the action Government propose to take in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARMENTS OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND COMMUNICATIONS (SHRI I. K. GUJRAL): (a) Yes. Such a representation was received on 19th February, 1968.

(b) In accordance with the established practice their representation is being forwarded to State Government of Orissa for consideration, when they recommend names for the three seats reserved for trade and commerce interests.

SUGAR PRODUCE

4601. SHRI M. N. REDDY: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the total sugar production in the country this year by the end of February, 1968; and

(b) the quantity procured under 60 per cent levy and the quantity released for 40 per cent open sale?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION (SHRI ANNASAHIB SHINDE): (a) 17.74 lakh tonnes.

(b) Levy sugar released from the production of 1967-68 from 23rd December, 1967 to 29th February, 1968—3.02 lakh tonnes.

Sugar released for open sale from 23rd November, 1967 to 23rd February, 1968—2.64 lakh tonnes.

INTERNATIONAL PRICE OF SUGAR

4602. SHRI M. N. REDDY: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 2239 on the 29th February, 1968 and state:

(a) the International Price of sugar per quintal this year; and

(b) the amount of subsidy per quintal given for the export?